अनुलग्नक - 'ब'

हिंदी (केंद्रिक)
कोड सं. 302
कक्षा - 12
मार्च 2013

			अंक
(क)	**अपठित-बोध (गद्यांश और काव्यांश-बोध)**	**15+5**	**20**
(ख)	**रचनात्मक एवं जन-संचार माध्यम अभिव्यक्ति और माध्यम**		
	(प्रिंट माध्यम संपादकीय, रिपोर्ट, आलेख, फीचर-लेखन)	5+5+5+5+5	**25**
(ग)	**● पाठ्य पुस्तक ● आरोह (भाग-2) (काव्यांश-20 गद्यांश-20)**		**40**
	● पूरक पुस्तक	**15**	
			100

क)	**अपठित बोध :**		**20**
1.	काव्यांश-बोध पर आधारित पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न	(1×5)	05
2.	गद्यांश बोध पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनात्मक, शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न		15
(ख)	**रचनात्मक लेखन एवं जन-संचार माध्यम**		**25**
3.	निबंध (किसी एक विषय पर)		05
4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित)		05
5.	(अ) प्रिंट माध्यम, सम्पादकीय, रिपोर्ट, आलेख आदि पर पांच अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछें जाऐंगे	(1×5)	05
	(आ) आलेख (किसी एक विषय पर)		05
6.	फीचर लेखन (जीवन-संदर्भों से जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर फीचर लेखन-विकल्प सहित)		05
***(ग)**	**आरोह भाग-2 (काव्य-भाग और गद्य-भाग)**	**(20+20)**	**40**
7.	**दो** काव्यांशों में से किसी **एक** पर अर्थग्रहण के चार/पांच प्रश्न		08
8.	काव्यांश के सैंदर्यबोध पर **दो** काव्यांशों में विकल्प दिया जाएगा तथा किसी एक काव्यांश के **तीनों** प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।		06

9.	कविताओं की विषय-वस्तु से संबंधित **तीन** में से **दो** लघूत्तरात्मक प्रश्न	(3+3)	06
10.	**दो** में से किसी **एक** गद्यांश पर आधारित अर्थ-ग्रहण के **चार** प्रश्न	(2+2+2+2)	08
11.	पाठों की विषय वस्तु पर आधारित **पांच** में से **चार** बोधात्मक प्रश्न	(3+3+3+3)	12

पूरक पुस्तक : वितान भाग-2 **15**

12.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित **दो** बोधात्मक प्रश्न	(3+3)
13	मूल्यों पर आधारित **तीन** में से **दो** लघूत्तरात्मक प्रश्न	(3+2)
14.	विषयवस्तु पर आधारित **दो** में से **एक** निबंधात्मक प्रश्न	(2+2)

निर्धारित पुस्तक :

(i) **आरोह भाग-2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाश्ति

(ii) **वितान भाग-2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

(iii) **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

	प्रश्नों के रूप	**पुस्तकों के नाम**	**पूर्णांक**
1.	अपठित — गद्यांश में अपठित — पद्यांश में		15 अंक 05 अंक
2.	पठित पुस्तक — गद्यांश से पठित पुस्तक — पद्यांश से	आरोह-II	20 अंक 20 अंक
3.	पठित पूरक पुस्तक-	वितान-II	15 अंक
4.	जनसंचार व माध्यम एवं लेखन से	जनसंचार व माध्यम	15 अंक 10 अंक
			100 अंक

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

कक्षा - XII (2013)

हिन्दी केन्द्रिक

(अंक विभाजन)

प्रश्नों के प्रकार		अंक	कुल प्रश्न	पूर्णांक
1.	अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 अंक	19	19
2.	लघूत्तरीय प्रश्न	2 अंक	15	30
3.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	3 अंक	7	21
4.	निबंधात्मक प्रश्न	5 अंक	6	30
				100 अंक

कक्षा - XII (2013)

हिन्दी (केन्द्रिक)

नमूना प्रश्नपत्र

समय सीमा : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100 अंक**

प्र 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें: 15

जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न व्यावसायिक पाठयक्रमों के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के संस्थापक सी.ए. श्री कमल मेहता का स्वप्न है कि राज्य में व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाई जाए जिससे राज्य व देश में शिक्षा का अनुपान बढ़े, साथ बड़े व्यावसायिक घरानों को उनकी मांग के अनुसार योग्य व प्रशिक्षित मानव शक्ति उपलब्ध हो सके तथा 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने वाले तकनीकी व मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत व्यावसायिक घरानों व राज्य को नेतृत्व प्रदान करने वाले युवा तैयार हो सकें।

पी.एच.डी., एम.टेक., बी.टेक., एम.बी.ए., बी.बी.ए., बी.कॉम., बी.डी.एस., एम.फार्मा., बी. फार्मा., डी.फार्मा., बी.एस.सी., बी.ए.एल.एल.बी., बी.एड., एम.एस.सी., बी.सी.ए. व पोलिटेक्निक जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से देश के कोने-कोने से आने वाले छात्र-छात्राएँ किताबी शिक्षा के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी हासिल कर रहे हैं। जहाँ देश में अन्य विश्वविद्यालय सिर्फ ऊँचे प्रतिशत प्राप्तांक हासिल करने वाले छात्रों को ही दाखिला दे रहे हैं, जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में मानवता के प्रबल शत्रु अज्ञान एवं अशिक्षा के तिमिर को तिरोहित करने का बीड़ा उठाते हुए ग्रामीण व सामाजिक रूप से पिछड़े क्षेत्र में 7 स्कूल के बच्चों हेतु मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था कर रहा है। विश्वविद्यालय के सभी संकाय शोध, प्रभावी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं विश्वस्तरीय प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय व्यवस्था व विशेषज्ञ शिक्षक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर हैं। समय का हर पल विकास का स्वर्णिम अवसर है यदि कोई इसे पहचान सके, भाग्योदय में प्रयत्न और पुरुषार्थ से भी ज़्यादा जरूरी होता है समय की सच्चाई के साथ जी सकने और स्वयं के अंदर छिपी अनन्त संभावनाओं को उद्घाटित करने का विश्वास।

(क) उपर्युक्त गद्यांश में दिए विश्वविद्यालय और उसके संस्थापक का नाम लिखिए। 1

(ख) किस प्रकार के युवा नई सदी की चुनौतियों का सामना कर सकेंगे? 1

(ग) इस विश्वविद्यालय में दी जाने वाली किन्ही आठ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा के नाम लिखें। 2

(घ) इस विश्वविद्यालय के दो प्रमुख उद्देश्य क्या हैं? 2

(ङ) मानवता का प्रबल शत्रु किसे कहा गया है? 1

(च) इस विश्वविद्यालय में किनके लिए मुफ़्त शिक्षा की व्यवस्था है? 1

(छ) गद्यांश से 'ईय' और 'इक' प्रत्यय वाले दो शब्द चुनकर लिखें। 1

(ज) मूलशब्द व उपसर्ग अलग कीजिए- प्रशिक्षण, प्रतिबद्ध 1

(झ) यहाँ विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा प्रदान

की जा रही है। 1

उपर्युक्त वाक्य को मिश्रित वाक्य में बदलिए।

(ञ) समास का नाम लिखिए - छात्र-छात्राएँ, पुस्तकालय। 1

(ट) 'तिमिर को तिरोहित' करना का क्या अर्थ है? 1

(ठ) विश्वविद्यालय में किन्ही दो विश्वस्तरीय सेवाओं के नाम दें।

(ड.) सभी संकायों की प्रतिबद्धता किससे जुड़ी है? 1

प्र 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (1×5=5)

माँ अनपढ़ थीं,

उसके लेखे

काले अच्छर भैंस बराबर

थे नागिन से टेढ़े-मेढ़े

नहीं याद था
उसे श्लोक स्तुति का कोई भी
नहीं जानती थी आवाहन
या कि विसर्जन देवी माँ का
नहीं वक्त था
ठाकुरबाड़ी या शिवमंदिर जाने का भी
तो भी उसकी तुलसी माई
नित्य सहेज लिया करती थीं
निश्छल करुण अश्रु-गीतों में
लिपटे-गुँथे दर्द को माँ के।

अकस्मात् बीमार हुई माँ
चौका-बासन, गोबर-गोंइठा ओरियाने में
सुखवन ले जाने, लाने में
भीगी थीं सारे दिन जम कर
ऐसा चढ़ा बुखार
न उतरा अंतिम क्षण तक
दुर्बल तन वृद्धावस्था का
झेल नहीं पाया प्रकोप
ज्वर का अति भीषण,
लकवा मारा, देह समूची सुन्न हो गई,
गल्ले वाले घर की चाभी
पहुँच गई 'ग्रेजुएट' भाभी के

तार-चढ़े मखमली पर्स में।

(क) 'काले अच्छर भैंस बराबर' से कवि का क्या आशय है?

(ख) 'माँ' को मंदिर जाने का समय क्यों नहीं मिलता था?

(ग) 'माँ' तुलसी माई को क्या अर्पित करती थी?

(घ) माँ का तन बुखार के प्रकोप को क्यों नहीं झेल पाया?

(ङ) माँ की शारीरिक असमर्थता से भाभी को क्या फायदा हुआ?

प्र 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए: **5**

(क) वर्तमान भारतीय राजनीति में युवाओं की भूमिका

(ख) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

(ग) अधजल गगरी छलकत जाए

(घ) सभ्यता का जनक-हमारा भारत देश।

प्र 4. भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सचिव की ओर से मुख्य सचिव महाराष्ट्र राज्य को एक सरकारी पत्र लिखें जिसमें 'कन्या भ्रूण हत्या' पर चिंता व्यक्त की गई हो। **5**

अथवा

बिजली की समुचित आपूर्ति न होने से उत्पन्न समस्याओं का वर्णन करते हुए विद्युत विभाग के प्रबंधक को एक पत्र लिखें।

प्र 5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए : **1×5=5**

(i) 'विशेष लेखन' किसे कहते हैं?

(ii) 'पंचककार' किसे कहते हैं?

(iii) 'फोन-इन' से आप क्या समझते हें?

(iv) भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला?

(v) 'बीट-रिपोर्टिंग' का क्या तात्पर्य है?

प्र (ख) 'लोकपाल कानून की सार्थकता' अथवा 'महँगाई की समस्या' विषय पर एक आलेख लिखें। **5**

प्र 6. 'किसानों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति' अथवा 'गाँवों से पलायन करते लोग' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। **5**

प्र 7. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2×3=6**

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़ल गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
'तुलसी' बुझाई एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बडवागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(क) 'आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी' में प्रयुक्त 'रस' व अलंकार का नाम लिखें।

(ख) 'राम घनस्याम' शब्द में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखकर उसके सौंदर्य पर विचार प्रकट करें।

(ग) किन्हीं दो 'शिल्पगत विशेषताओं' का वर्णन करें।

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है जिदयाया है
बालक तो हैई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है।

(क) उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त 'छंद' का नाम बताएँ और उसकी विशेषता लिखें।

(ख) प्रयुक्त 'भाषा-शिल्प' पर टिप्पणी करें।

(ग) उपर्युक्त पंक्तियों में किस रस की प्रधानता है, तर्क सहित उत्तर दें।

प्र 8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4=8

जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है, इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनय सब
मौलिक है, मौलिक है,
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जागृत है, अपलक है-
संवेदन तुम्हारा है!!

(क) कवि को सभी कुछ स्वीकार्य है- क्यों?

(ख) 'गरबीली गरीबी' से कवि का क्या आशय है?

(ग) कवि के जीवन में क्या मौलिक है?

(घ) जो कुछ भी जाग्रत है, अपलक है-
संवेदन तुम्हारा है!!
उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें।

अथवा

मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना-बना कितने जग रोज मिटाता;
        जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता!
मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
        हो जिस पर भूपों के प्रसाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाए लिए फिरता हूँ।

(क) संसार के संबंध में कवि क्या कहता है?

(ख) कवि के वैभव संबंधी विचार क्या हैं?

(ग) 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ' - कथन से कवि का क्या तात्पर्य है?

(घ) 'स्नेह' का महत्त्व दर्शाते हुए कवि क्या कहना चाहता ह?

प्र 9. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) अशनि-पात से शापित शत-शत वीर पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है और क्यों?

(ख) 'कैमरे में बंद अपहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। इस कथन पर अपने विचार व्यक्त करें।

(ग) 'बात सीधी थी पर' कविता में कथ्य और माध्यम के द्वंद्व को प्रकट किया गया है- इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट करें।

प्र 10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4=8

मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का

विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं।

जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन-जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्गद हो उठी।

(क) लेखिका ने अपने नाम को दुर्वह क्यों कहा है?

(ख) भक्तिन अपना असली नाम किसी को क्यों नहीं बताना चाहती थी?

(ग) लेखिका ने अपने द्वारा दिए गए 'भक्तिन' नाम को 'कवित्वहीन' क्यों कहा?

(घ) 'लक्ष्मी' को 'भक्तिन' नाम देने का कारण क्या था?

अथवा

कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिल्कुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाज़ार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

(क) 'लू' का लूपन कब और कैसे व्यर्थ हो जाता है?

(ख) बाज़ार की असली कृतार्थता किसमें है और कैसे?

(ग) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से ली गई है और इसके लेखक कौन हैं?

(घ) 'बाज़ार' हमें कब 'घाव' दे देता है और कब आनंद? स्पष्ट करें।

प्र 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (3x4 =) 12

(क) बचपन की किन दो घटनाओं ने चार्ली के जीवन पर गहरा व स्थायी प्रभाव डाला।

(ख) भारत पाक विभाजन के बाद सरहद के दोनों तरफ के विस्थापित पुनर्वासित जनों के दिलों करे टटोलती हुई यह एक मार्मिक कहानी है - 'नमक' कहानी के आधार पर इस कथन का विवेचन करें।

(ग) हृदय की कोमलता को बचाए रखने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी जरूरी हो जाती है- 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि करें।

(घ) महामारी फैलने के बाद गाँव में 'सूर्योदय' और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अंतर होता था? 'पहलवान की ढोलक' नामक पाठ के आधार पर वर्णन करें।

(ङ) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? सोदाहरण स्पष्ट करे।

प्र 12. अपनी पाठ्यपुस्तक 'वितान भाग-दो' में संकलित पाठों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें : 2+3=5

(क) 'किट्टी' कौन थी? एन फ्रैंक ने किट्टी को संबोधित करते हुए डायरी क्यों लिखी?

(ख) 'जूझ' कहानी में आपको किस पात्र ने सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों? उसकी किन्हीं चार चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र 13. भूषण सबसे बड़ा पैकेट उठाकर उसे खोलते हुए बोला, ''इसे तो ले लीजिए। यह मैं आपके लिए लाया हूँ। ऊनी ड्रेसिंग गाउन है। आप सवेरे जब दूध लेने जाते हैं बब्बा, फटा पुलोवर पहन के चले जाते हैं जो बहुत ही बुरा लगता है। आप इसे पहन के जाया कीजिए।'' बेटी पिता का पाजामा-कुर्ता उठा लाई कि इसे पहनकर गाउन पहनें। थोड़ा-सा ना-नुच करने के बाद यशोधर जी ने इस आग्रह की रक्षा की। गाउन का सैश कसते हुए उन्होंने कहा, ''अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन।'' उन्होंने कहा और उनकी आँखों की कोर में ज़रा-सी नमी चमक गई। यह कहना मुश्किल है कि इस घड़ी उन्हें यह बात चुभ गई कि उनका जो बेटा यह कह रहा है कि आप सवेरे ड्रेसिंग गाउन पहनकर दूध लाने जाया करें, वह यह नहीं कह रहा कि दूध मैं ला दिया करूँगा या कि इस गाउन को पहनकर उनके अंगों में वह किशनदा उतर आया है जिसकी मौत 'जो हुआ होगा' से हुई। (मूल्यपरक प्रश्न) 5

(i) आपके विचार से परिवार में बड़ों के प्रति स्नेह सम्मान और आदर प्रदर्शित करने के और क्या-क्या तरीके हो सकते हैं? 1

(ii) यशोधर पंत की आँखों में नमी आने का कारण आपके विचार से क्या हो सकता है? आप ऐसा क्यों मानते हैं? 2

(iii) यदि भूषण की जगह आप होते और शेष परिस्थितियाँ ठीक कहानी की ही तरह होती तो आप का व्यवहार अपने 'बब्बा' के प्रति कैसा होता? क्यों? 2

प्र 14. (क) एन की डायरी उसकी निजी भावनात्मक उथल पुथल का दस्तावेज है। इस कथन की विवेचना कीजिए। 5

अथवा

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' आधुनिक पारिवारिक मूल्यों के विघटन का यथार्थ चित्रण है। उदाहरण देते हुए इस कथन का विवेचन करें।

कक्षा - XII (2013)

हिन्दी केन्द्रिक

उत्तर पुस्तिका

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

उ. 1. (क) जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय 1/2 अंक, श्री कमल मेहता 1/2 अंक,

(ख) योग्य व प्रशिक्षित युवा वर्ग। 1 अंक

(ग) एम.टेक., बी.टेक., एम.बी.ए., एम.फार्मा, बी.फार्मा, डी.फार्मा, बीए.एल.एल.बी., बी.एड., एम.सी.ए. आदि। 2 अंक

(घ) विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास और आत्मविश्वास में वृद्धि। 2 अंक

(ङ) अज्ञान एवं अशिक्षा को। 1 अंक

(च) सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी। 1 अंक

(छ) राष्ट्रीय और व्यावसायिक। 1/2+1/2

(ज) प्र+शिक्षण 1/2 अंक, प्रति+बद्ध 1/2 अंक

(झ) यहाँ विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम हैं जिनके माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। 1 अंक

(ञ) छात्र और छात्राएँ - (द्वन्द्व समास 1/2 अंक)

पुस्तकों के लिए आलय (तत्पुरुष समास 1/2 अंक)

(ट) 'अंधेरा दूर करना 1 अंक

(ठ) विश्वस्तरीय प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय व्यवस्था व विशेषज्ञ शिक्षक 1 अंक

(ड.) संकाय शोध, प्रभावी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं 1अंक

उ. 2. (क) माँ अशिक्षित थी। 1

(ख) क्योंकि वह घर गृहस्थी के कार्य में व्यस्त रहती थी। 1

(ग) दर्द व अश्रु पूर्ण प्रार्थनाएँ। 1

(घ) वृद्धावस्था के कारण। 1

(ङ) घर का खजाना भाभी को मिल गया, भाभी घर की मालकिन हो गई। 1

उ. 3. निबंध लेखन - (क) भूमिका / आरंभ 1

(ख) विषय विस्तार 3

(ग) निष्कर्ष / उपसंहार 1

उ. 4. पत्र लेखन - सम्बोधन (प्रारंभ+समापन) $1^1/_2$

प्रारूप - 1 अंक

विषय वस्तु $1^1/_2$

उ. 5. (1) किसी विशेषज्ञ के द्वारा विषय पर लिखा गया विशेष लेख। 1

(2) कहाँ, कब, क्या, कौन और कैसे। 1

(3) समाचार वाचक के द्वारा घटना स्थल से फोन के द्वारा ली गई जानकारी को फोन इन कहते हैं। 1

(4) 1556 ई., गोवा 1/2+1/2

(5) किसी क्षेत्र से संबंधित सीमा के अंतर्गत घटनाओं की रिपोर्टिंग को बीट रिपोर्टिंग कहते हैं। 1

(ख) आलेख लेखन - आरंभ 1

विषय वस्तु 3

निष्कर्ष 1

विषय वस्तु के अंतर्गत कथ्य की प्रासंगिकता और भाषा शैली पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उ. 6. फीचर लेखन - आरंभ 1

विषय वस्तु 3

निष्कर्ष 1

उ. 7. क. उपमा अलंकार, भयानक रस 2

ख. रूपक अलंकार एवम् राम और श्री कृष्ण में एक रूपता का सौंदर्य बोध। 2

ग. भाषा–अवधी भाषा का प्रयोग 2

गीत, लय, संगीत, नाद सौंदर्य या भाषा प्रवाह आदि में से किन्हीं दो का वर्णन।

अथवा

क. रूबाई छंद का प्रयोग

विशेषता – पहली दूसरी और चौथी पंक्ति में तुक मिलाया जाता है तथा तीसरी पंक्ति स्वच्छंद होती है।

ख. भाषा शिल्प पर किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन आवश्यक है यथा भाषा शैली, भाषा में अलंकार, रस या छंद से संबंधित विशेषताएँ।

ग. यहाँ वात्सल्य रस की प्रधानता है। बालक चंद्रमा के लिए (चंद्रमा पाने के लिए) रूठ गया है और माँ बच्चे के हाथ में शीशा देकर कहती है कि देख आइने में चाँद उतर आया है। यहाँ बच्चे के माँ के स्नेह के कारण वात्सल्य रस है।

उ. 8. (क) कवि को सभी कुछ स्वीकार्य है क्योंकि सभी कुछ परम पिता परमेश्वर द्वारा प्रदत्त है। 2

(ख) यहाँ गरीबी के लिए 'गरबीली' विशेषण का प्रयोग किया गया है क्योंकि कवि को अपनी गरीबी पर भी गर्व है। 2

(ग) गर्व युक्त गरीबी, जीवन के गंभीर अनुभव, श्रेष्ठ विचार, दृढ़ता और अंतर्मन की कोमल भावनाएँ – इसमें बनावटीपन नहीं है, ये सभी कुछ मौलिक हैं। 2

(घ) ईश्वर के प्रति धन्यवाद प्रकट करते हुए कवि यह स्वीकार करता है कि इस जगत में प्रतिपल जो कुछ भी दृश्यमान है, वह वास्तव में ईश्वर की ही अदृश्य संवेदना है। 2

अथवा

(क) कवि और संसार के बीच टकराव चलता रहता है, ये दोनों अलग–अलग हैं। इसलिए कवि इस भौतिकवादी संसार को मिटाने का प्रयास करता है।

(ख) यह संसार तो धरती पर धन–सम्पत्ति जोड़ता रहता है परंतु कवि धन सम्पत्ति को ठोकर मारता है।

(ग) कवि अपनी मधुर व शीतल आवाज़ में भी जोश, आत्मविश्वास, साहस और उत्साह जैसी भावनाओं को बनाए रखता है ताकि दूसरों को भी जागृत कर सके।

(घ) स्नेह का महत्त्व दर्शाते हुए कवि दुख में भी सभी के लिए प्रेम व अपनेपन की भावना को लिए फिरता है। इसलिए उसके रोदन में भी राग है।

(कोई दो सही उत्तर)

(क) बिजली के गिरने से ऊँचे से ऊँचा पहाड़ भी घायल हो जाता है। इसी प्रकार क्रांति के आने पर पूँजीपतियों का भी बुरा हाल हो जाता है। यहाँ उन्हीं पूँजीपतियों (शोषक वर्ग) की ओर संकेत किया जाता है। 3

(ख) जैसा कि शीर्षक से ही स्पष्ट है कि कैमरे में मानों कोई अपाहिज बंद हो। इस कविता में ऊपर से तो करुणा दिखई देती है। संचालक महोदय अपंग व्यक्ति के प्रति सहानुभूति दर्शा रहा है, पर उसका वास्तविक उद्देश्य उसकी अपंगता को बेचना है। रोचक कार्यक्रम दिखाने के उद्देश्य से संचालक अपाहिज के प्रति संवेदनहिनता और क्रूरता को प्रकट करता है। 3

(ग) कथ्य और माध्यम में गहरा संबंध होता है इसलिए कथ्य को प्रकट करने के लिए सही माध्यम का प्रयोग करना चाहिए। अगर माध्यम सरल न हो तो भाषा सहज नहीं होती और कथ्य मुश्किल हो जाता है। इसी को कवि ने भाषा के चक्कर में उलझने की संज्ञा दी है जहाँ बात टेढ़ी हो जाती है। यहाँ इसी द्वंद्व को प्रकट किया गया है। 3

उ. 10. (क) लेखिका के नाम का अर्थ अत्यंत विशाल है जिसका बोझ लेखिका के लिए असहनीय है। 2

(ख) भक्तिन का असली नाम लक्ष्मी है जो समृद्धि सूचक नाम है जबकि लक्ष्मी अत्यंत गरीब थी। 2

(ग) 'भक्तिन' नाम से सादगी, सरलता का बोध होता है, जहाँ श्रृंगार का स्थान नहीं होता। 2

(घ) लक्ष्मी के गले में कण्ठी माला को देखकर लेखिका ने उसे भक्तिन उपनाम दिया। 2

अथवा

(क) लू में पनी पीकर जाना चाहिए। अगर शरीर में पानी हो तो लू की गर्मी व्यर्थ हो जाती है।

(ख) आवश्यकता के समय और आवश्यकता की वस्तु मिल जाने में ही बाज़ार की असली कृतार्थता है।

(ग) बाज़ार दर्शन, जैनेन्द्र कुमार

(घ) जब बाज़ार हमें अपनी ओर आकर्षित कर लेता है और हमारे मन में वस्तुओं को खरीदने की चाहत बनी रह जाती है तो समझो बाज़ार ने हमें धाव दे दिया। वहीं दूसरी ओर समय के अनुसार वांछित वस्तुओं की प्राप्ति ही हमें आनन्द प्रदान करता है।

उ. 11. कोई चार

(क) बचपन में चार्ली का बीमार होना और उनकी माँ के द्वारा ईसा मसीह का जीवन बाइबिल से पढ़कर सुनाते हुए दोनों का एक साथ रो पड़ना। एवम् दूसरी घटना के रूप में एक कसाई के हाथ से एक भेड़ का जान छुड़ा कर भागने की घटना और उसकी प्रतिक्रिया। 3

(ख) सिख बीबी के द्वारा लाहौर से नमक लाने की प्रार्थना, लाहौर के कस्टम अधिकारी के द्वारा जामा मस्ज़िद की सीढ़ियों को सलाम का संवाद देना, और यह कहना कि दिल्ली उसका वतन है, अमृतसर में कस्टम अधिकारी के द्वारा स्वागत करनाऔर ढाका को अपना वतन मानने की बात स्वीकार करना। 3

(ग) जिस प्रकार के फूलों की कोमलता को देखकर परवर्ती कवियों ने यह समझा कि सब कुछ कोमल होता है जकि इसके फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल जाने पर भी वह स्थान नहीं छोड़ते और कठोर बने रहते हैं। इसी प्रकार हम मनुष्यों को भी अपने मन की कोमलता को बचाए रखने के लिए व्यवहार को कठोर बनाना आवश्यक हो जाता है। 3

(घ) सूर्योदय के उपरान्त लोगों के चेहरे पर कुछ चमक का होना, ताँकते, ऊखते, कराहते अपने-अपने घरों से निकलना, पड़ोसियों और अपने लोगों की खबर जानने की कोशिश करना, उन्हें धैर्य देना परंतु सूर्यास्त होते ही लोगों का घरों में घुस जाना, चारों तरफ निस्नब्धता का वातावरण, मौत का खौफ और दम तोड़ते लोगों की ाहें।

(ङ) सच्चे त्याग की परिभाषा, परोपकार का महत्त्व, बीज और फसल का उदाहरण, पृथ्वी का उदाहरण, यथा प्रजा तथा राजा का उदाहरण।

उ. 12. (क) किट्टी एन की गुड़िया थी। एन ने उसे सम्बोधित करते हुए डायरी इसलिए लिखी क्योंकि एन के साथ उसकी भावनाओं को बाँटने वाला और कोई नहीं था। 2

(ख) किसी भी पात्र के द्वारा प्रभावित होना और उस पात्र की चार चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन। 3

उ. 13. (I) मुक्त उत्तर संभव। कम से कम एक बिंदु की चर्चा आवश्यक है जैसे बड़ों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए अपनी दिनचर्या में से कुछ समय निकालकर उनके साथ बिताना अथवा उनकी अवस्था समझते हुए उनके कार्यों को बाँटना।

(II) बेटे ने यह तो कहा कि अभी आप को दूध लाने में ठंड नहीं लगेगी, यह नहीं कहा कि दूध मैं ले आया करुंगा। या कोई और कारण।

(III) मुक्त उत्तर संभव।

- **हम यह समझने की कोशिश करते कि बब्बा का बचपन कैसी स्थितियों में गुजरा है तथा आज स्थितियाँ कैसे बदल गयी हैं। हम इन दोनों स्थितियों में सामंजस्य बिठाने की कोशिश करते।**
- **हम बब्बा की भावनाओं को समझते हुए उनके आत्म-सम्मान को चोट नहीं पहुँचाते तथा उनसे कोई भी ऐसा कार्य नहीं करवाते जिसमें उन्हें कष्ट पहुँचे।**

ऐसे कम से कम दो बिंदुओ की चर्चा आवश्यक है।

उ. 14. कोई एक 5

(क) युद्ध का वातावरण, एकाकी जीवन, गुप्त प्रवास, भय और आतंक का वातावरण, व्यक्तिगत पारिवारिक व सामाजिक परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया आदि का वर्णन।

अथवा

(ख) यशोधर बाबू के प्रति पत्नी बच्चे का स्वार्थपूर्ण व्यवहार एवम् उनका अनदेखापन का वर्णन, यशोधर बाबू के प्रति विरोध की भावना, घर के बच्चों का उनके प्रति उपेक्षित व्यवहार, मूल्यों और परम्पराओं की ओर ध्यान न देकर पाश्चात्य सभ्यता की ओर आकर्षित होना आदि का वर्णन।